



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 52] नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 31, 1985/माघ 11, 1906  
No. 52] NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 31, 1985/MAGHA 11, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

(कम्पनी विधि बोर्ड)

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1985

1985 का आदेश सं. 1

का. आ. 68 (अ):—कम्पनी विधि बोर्ड (न्यायपीठ)  
नियम, 1975 के नियम 2(क) और नियम 3 के साथ  
पठित, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की  
धारा 10 ड की उपधारा (4-ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का  
प्रयोग करते हुए तथा इस सम्बन्ध में जारी किये गये, कम्पनी  
विधि बोर्ड, 1984 के आदेश सं. 5 और 6 दिनांक 26  
मार्च, 1984 का अतिश्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार के  
पूर्व अनुमोदन में कम्पनी विधि बोर्ड 25 जनवरी, 1985  
से अध्यक्ष और सदस्यों को सम्मिलित करने हुए कम्पनी विधि  
बोर्ड की एतद्वारा न्यायपीठ संस्थापित करता है, अर्थात्:—

- |                              |         |
|------------------------------|---------|
| (1) श्री सी.जी. सोमैया       | अध्यक्ष |
| (2) श्री एस. एम. डूगर        | सदस्य   |
| (3) श्री आर. एन. बंसल        | सदस्य   |
| (4) श्री एस. कुमार           | सदस्य   |
| (5) श्री वी. के. मजेत्रा     | सदस्य   |
| (6) श्री सी. आर. मुन्दररामजत | सदस्य   |

कम्पनी विधि बोर्ड आगे भी आदेश देता है कि:—

- (1) एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार  
अधिनियम, 1969 की धारा 2क के अन्तर्गत  
उत्पन्न हुए और सभी सम्बन्धित मामलों की  
याचिकाओं का अध्यक्ष और बोर्ड के दो से कम  
सदस्य न हो, को सम्मिलित करते हुए, न्यायपीठ  
द्वारा 1, राजेन्द्र प्रसाद रोड, नई दिल्ली में जैसा  
की अध्यक्ष द्वारा निर्दिष्ट किया जायेगा, में सुनवाई,  
निर्णय और निपटान किया जायेगा।

- (2) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 17, 18 और 19 के अन्तर्गत उत्पन्न हुए और सभी सम्बन्धित मामलों की याचिकाओं का कम्पनी विधि बोर्ड (न्यायपीठ) नियम, 1975 के नियम 4 के अनुसरण में बम्बई, कलकत्ता, मद्रास और नई दिल्ली में स्थित बोर्ड के दो सदस्यों से कम न हों, न्यायपीठ द्वारा सुनवाई, निर्णय और निपटान किया जायेगा।
- (3) निर्देशों की जारी करने और वातचीत सम्बन्धी मामलों को सम्मिलित करते हुये सभी अन्य मामलों से सम्बन्धित आवेदनपत्रों याचिकाओं का निपटान बम्बई, कलकत्ता, मद्रास और नई दिल्ली में बैठने वाले किसी भी सदस्य द्वारा किया जायेगा।
- (4) न्यायपीठ अपनी स्वेच्छा से भारत की सीमा में किसी भी स्थान पर अपनी बैठकें कर सकती है।

[फा. सं. 2/4/84 सी.एल.-V]

सी. जी. सोमिया, अध्यक्ष  
(कम्पनी विधि बोर्ड)

# MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

(Company Law Board)

New Delhi, the 25th January, 1985

ORDER NO. 1 OF 1985

S.O. 68(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (4B) of Section 10E of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), read with Rule 2(e) and Rule 3 of the Company Law Board (Bench) Rules, 1975 and in supersession of the Company Law Board's Order Nos. 5 and 6 of 1984 dated the 26th March, 1984 issued in this behalf, the Company Law Board, with the previous approval of the Central Government, hereby constitutes the Bench of the Company Law

Board consisting of the Chairman and Members with effect from 25th January, 1985, namely :—

1. Shri C. G. Somiah—Chairman.
2. Shri S. M. Dugar—Member.
3. Shri R. N. Bansal—Member.
4. Shri S. Kumar—Member.
5. Shri V. K. Majotra—Member.
6. Shri C. R. Sundararajan—Member.

The Company Law Board further orders that :

- (1) Petitions in respect of all matters relating to and arising out of Section 2A of the M.R.T.P. Act, 1969 shall be considered, decided and disposed of by a Bench consisting of Chairman and not less than two Members of the Board sitting at 1-Rajendra Prasad Road, New Delhi, as may be specified by the Chairman.
- (2) Petitions in respect of all matters relating to and arising out of Sections 17, 18 and 19 of the Companies Act, 1956 shall be considered, decided and disposed of by a Bench consisting of not less than two Members of the Board as may be specified by the Chairman in pursuance of Rule 4 of the Company Law Board (Bench) Rules, 1975, sitting at Bombay, Calcutta, Madras and New Delhi.
- (3) Applications/petitions in regard to all other matters including issuing of directions and inter-locutory matters shall be dealt with by any Member sitting at Bombay, Calcutta, Madras and New Delhi.
- (4) The Bench may, at its discretion, hold its sittings at any place in the territory of India.

[File No. 2/4/84-CL. V]

C. G. SOMIAH, Chairman  
Company Law Board